IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, January 2026
Impact Factor: 7.67

बघेली लोक साहित्य और लोक संस्कृति

डॉ. ज्योति पाण्डेय

हिंदी विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म. प्र.)

सारांश: (Abstract)

बघेली लोक साहित्य और लोक संस्कृति बघेलखंड क्षेत्र की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करती है, जो मध्य प्रदेश के रीवा, सतना, सीधी और शहडोल जैसे जिलों में प्रचलित है। यह अध्ययन बघेली भाषा के मौखिक साहित्य, जैसे लोकगीत, लोककथाएँ, लोकोक्तियाँ और मुहावरों, तथा लोक संस्कृति के तत्वों जैसे नृत्य, त्योहार और रीति-रिवाजों का विश्लेषण करता है। बघेली लोक साहित्य सामाजिक मूल्यों, नैतिक शिक्षा और सांस्कृतिक निरंतरता को दर्शाता है, जबकि लोक संस्कृति सामुदायिक एकता, प्रकृति पूजा और जीवन चक्र से जुड़े अनुष्ठानों को उजागर करती है। यह शोध द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है, जिसमें पुस्तकें, पत्रिकाएँ और ऑनलाइन संसाधन शामिल हैं, तथा बघेली संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देता है। कुल मिलाकर, यह बघेली विरासत की जीवंतता को रेखांकित करता है जो आधुनिकता के बीच लुप्त होने के खतरे में है।

Keywords: बघेली भाषा, लोक साहित्य, लोकगीत, लोककथाएँ, लोक नृत्य, सांस्कृतिक विरासत, बघेलखंड, मौखिक परंपरा, त्योहार, रीति-रिवाज।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30893